आकाशवाणी पोर्ट ब्लेयर

दिनांक : 11.12.2024 समय : 0705

<><><><><><><><>

- कल मानवाधिकार दिवस मनाया गया।
- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मानवाधिकारों की रक्षा के लिए सुरक्षित, संरक्षित और न्यायसंगत डिजिटल वातावरण सुनिश्चित करने पर बल दिया।
- विश्व ऑडियो–विजुअल और मनोरंजन शिखर सम्मेलन के अवसर पर जेएनआरएम के प्राचार्य ने कहा कि छात्रों को सकारात्मक बातों पर फिल्में बनानी चाहिए।
- दो हजार चार की सुनामी और निकोबार जिले पर इसके गहन प्रभाव की बीसवीं वर्षगांठ के अवसर पर, मुख्य सचिव ने कल '20 साल बाद' और 'सुनामी से बचे रहना' शीर्षक से दो वृत्तचित्र जारी किए।

<><><><><><><><>

कल मानवाधिकार दिवस मनाया गया। प्रतिवर्ष दस दिसंबर को मानवाधिकारों के संबंध में सार्वभौम घोषणा की याद में यह दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष मानवाधिकार दिवस का विषय रहा – हमारे अधिकार, हमारा भविष्य। यह विषय इस बात पर ज़ोर डालता है कि मानवाधिकार महज एक आकांक्षा नहीं है, बल्कि बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए व्यक्तियों और समुदायों को सशक्त बनाने का व्यावहारिक साधन है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सभी के अधिकारों और गरिमा की सुरक्षा करने वाले समान डिजिटल वातावरण को सुनिश्चित करने के महत्व पर बल दिया है। मानवाधिकार दिवस के अवसर पर कल नई दिल्ली में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के कार्यक्रम में राष्ट्रपति ने कहा कि साइबर अपराध और जलवायु परिवर्तन मानवाधिकारों के लिए नई चुनौतियां हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग परिवर्तनकारी है, लेकिन इससे साइबर बुलिंग, डीप फेक, गोपनीयता संबंधी चिंताएं और गलत सूचना के प्रसार जैसे मुद्दे भी सामने आए हैं।

<><><><><><><><>

जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. हेमंत कुमार शर्मा ने कहा कि छात्रों को सकारात्मक बातों पर फिल्में बनानी चाहिए, न कि विनाशकारी विचारों पर। वे कल विश्व ऑडियो–विजुअल और मनोरंजन शिखर सम्मेलन के संबंध में कॉलेज में आयोजित रोड शो के अवसर पर बोल रहे थे। यह रोड–शो अगले वर्ष फरवरी माह के दौरान नई दिल्ली में आयोजित की जाएगी। उन्होंने छात्रों से इस तरह से फिल्में बनाने का आग्रह किया, जो राष्ट्र के प्रगतिशील विचारों को दर्शाती हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि कला जो

भी हो, उसमें हमारी संस्कृति और विरासत झलकनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें पश्चिमी संस्कृति को अपनाने की जरूरत नहीं है, जबकि हमारे देश की विरासत की विशाल पृष्ठभूमि है। उन्होंने यह भी कहा कि दूसरों की नकल करने की कोई आवश्यकता नहीं है, क्योंकि हमारे पास कई मूल स्क्रिप्ट हैं। छात्रों को सौर ऊर्जा और प्रदूषण नियंत्रण जैसे विषयों पर वृत्तचित्र बनाने के बारे में सोचना चाहिए। इस अवसर पर अंडमान निकोबार द्वीपसमूह के प्रख्यात फिल्म निर्माता और पद्म श्री पुरस्कार विजेता नरेश चन्द्र लाल ने कहा कि जहां चाह है, वहां सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा कि द्वीपों के छात्रों के पास जो प्रतिभा उपलब्ध है, वह पूरे देश में देखने को नहीं मिलती। किसी को यह सोचने की जरूरत नहीं है कि फिल्म बनाने के लिए पैसा सबसे महत्वपूर्ण चीज होगी, यह ज्ञान है जो फिल्म बनाने में अधिक महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि फिल्में बनाने के लिए जुनून और साहस की जरूरत होती है।

फिल्म निर्माता और गायिका समिता वेद आचार्य ने इस अवसर पर बोलते हुए कहा कि वेव्स युवाओं के बीच फिल्मों, रील सिंगल्स, डॉक्यूमेंट्री पर एक प्रतियोगिता का आयोजन कर रहा है। कोई भी प्रतिभागी इसमें भाग ले सकते हैं और नकद पुरस्कार जीत सकते हैं। उन्होंने वेबसाइट से संपर्क करने और प्रतियोगिता में भाग लेने के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर बोलते हुए आकाशवाणी श्री विजयपुरम के सहायक निदेशक (समाचार) एस. मुरली ने छात्रों से रेडियो सुनने, टेलीविजन देखने और समाचार पत्र पढ़ने के लिए खुद को तैयार करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि इस तरह के ऑडियो–विजुअल माध्यम से सामान्य ज्ञान प्राप्त करके ही वे बेहतर फिल्में बना सकते हैं। पत्र सूचना कार्यालय के संयोजक, मीडिया और संचार अधिकारी देबायन भादुड़ी ने छात्रों से आग्रह किया कि वे इसमें बड़ी संख्या में भाग लें। इससे पहले जेएनआरएम से फ्लैग प्वाइंट तक छात्रों द्वारा जागरूकता रैली भी निकाली गई।

<><><><><><><>

दो हजार चार की सुनामी और निकोबार जिले पर इसके गहन प्रभाव की बीसवीं वर्षगांठ के अवसर पर, अंडमान और निकोबार प्रशासन के मुख्य सचिव, डॉ. चंद्र भूषण कुमार, ने कल निकोबार जिले की उपायुक्त ज्योति कुमारी की उपस्थिति में '20 साल बाद' और 'सुनामी से बचे रहना' शीर्षक से दो वृत्तचित्र जारी किए। अपने संबोधन में, मुख्य सचिव ने छब्बीस दिसम्बर–दो हजार चार के दिन के प्रामाणिक मौखिक इतिहास को दस्तावेजीकरण और रिकॉर्ड करने के महत्व को बताया, जो कि बचे लोगों, समुदाय के नेताओं और बचाव और राहत कार्यों में शामिल सरकारी अधिकारियों से लिया गया है। उन्होंने द्वीपों के निवासियों और युवा पीढ़ी के लिए सुनामी के बारे में निरंतर जागरूकता और संवेदनशीलता के महत्व पर भी प्रकाश

डाला, ताकि लोगों को आपदा की स्थिति में समय पर और प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया करने के लिए सशक्त बनाया जा सके। '20 साल बाद' वृत्तचित्र निकोबार जिले के कार निकोबार द्वीप के तामालू गांव पर सुनामी के दीर्घकालिक प्रभावों पर एक व्यापक नज़र डालता है। पुराने तमालू गांव के अवशेषों और नई बस्ती के साथ इसके विपरीत को प्रदर्शित करके, वृत्तचित्र दो दशकों में समुदाय के जीवन में महत्वपूर्ण बदलावों की खोज करता है।

यह बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण, स्थानीय अर्थव्यवस्था को बहाल करने और भविष्य में समुदाय की बेहतर सुरक्षा के लिए आपदा तैयारी उपायों को लागू करने में किए गए प्रयासों पर प्रकाश डालता है। वहीं दूसरी ओर, 'सुनामी से बचना' एक अधिक व्यक्तिगत और अंतरंग दृष्टिकोण प्रदान करता है, जिसमें तमालू गांव के मुखिया पॉल बेंजामिन के अनुभव को दिखाया गया है, जो आपदा से गुजरे थे। उनकी कहानियाँ उनके सामने आने वाली अकल्पनीय चुनौतियों, जीवित रहने के भावनात्मक बोझ और उसके बाद उन्हें मिली ताकत को दर्शाती हैं। इस फिल्म का उद्देश्य खोए हुए लोगों के जीवन का सम्मान करना और बचे हुए लोगों के लचीलेपन को उजागर करना है।

<><><><><><><>

क्यारी के महिला प्रकोष्ठ द्वारा कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न बचाव, निषेध, निवारण अधिनियम– दो हजार तेरह विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पोच एक्ट–दो हजार तेरह महिलाओं को कार्यस्थल पर यौन शोषण से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। महिलाओं को सुरक्षित और सम्मानजनक रूप से कार्य करने का वातावरण प्रदान करता है। इस अधिकार के तहत प्रत्येक कार्यस्थल पर एक आतंरित शिकायत समिति का गठन करना अनिवार्य है, जो यौन उत्पीड़न से जुडे शिकायतों की गप्त रूप से जांच करती है। क्यारी के निदेशक डॉ. एकनाथ बी. चाकुरकर ने सभी महिलाओं से कार्यस्थलों पर यौन उत्पीड़न के खिलाफ आवाज़ उठाने का आग्रह किया है। कार्यक्रम में अतिथि वक्ता एडवॉकेट रिंकू नारायण ने पोच एक्ट, विशाखा गाइड लाइंस और आंतरिक शिकायत समिति के विषय में विस्तार से जानकारी दी। क्यारी के प्रधान वैज्ञानिक एवं आंतरिक समिति के अध्यक्षा डॉ. टी सुजाता ने बताया कि उनके विभाग में अब तक इस प्रकार की शिकायत दर्ज नहीं की गई है। कार्यक्रम में एड्स कन्ट्रोल सोसाइटी की उपनिदेशक डॉ. जहांआरा यास्मिन ने एड्स के नियंत्रण पर लोगों को जागरूक किया।

<><><><><><><>

आकाशवाणी के श्री विजयपुरम केन्द्र से आज लाईव फोन–इन कार्यक्रम हैलो डॉक्टर प्रसारित किया जाएगा। कार्यक्रम का विषय रहेगा–हृदय रोग के बारे में मिथ्य और तथ्य। कार्यक्रम में विशेषज्ञ डॉ. श्रीकांत श्रोताओं से संवाद करेंगे। श्रोता फोन संख्या दो तीन दो पांच–पांच आठ और दो तीन दो तीन तीन छः पर डायल कर अपने प्रश्न पूछ सकते हैं। कार्यक्रम कल शाम साढ़े छः बजे से सुना जा सकता है।

<><><><><><><>

दिसम्बर और जनवरी माह के लिए मुख्यभूमि के लिए जहाज यात्रा कार्यक्रम की घोषणा कर दी गई है। एम वी सिंधु सत्रह दिसम्बर को श्री विजयपुरम से चेन्नई के लिए रवाना होगा और इसकी वापसी बाईस दिसम्बर को होगी। अपनी अगली यात्रा में यह जहाज दो जनवरी को श्री विजयपुरम से छूटेगा और इसकी वापसी सात जनवरी को चेन्नई से होगी। सत्रह और बाईस दिसम्बर के लिए टिकटों का वितरण बारह दिसम्बर से किया जाएगा। जनवरी माह में होने वाली यात्रा के लिए टिकटों का वितरण छब्बीस दिसम्बर से किया जाएगा। यात्री अपने टिकट स्टार्स टिकटिंग काउंटर के अलावा ई–टिकटिंग पोर्टल से भी बुक कर सकते हैं।

<><><><><><><>